### राजभवन में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने इजराइल का उदाहरण देकर एआई की जानकारी दी

# एआई वक्त की जरूरत, लेकिन इस पर पूर्ण निर्भरता ठीक नहीं

**कार्यशाला**

देहरादून, विशेष संवाददाता। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) वक्त की जरूरत है। जीवन से जुड़े कई सेक्टर में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लेकिन इसका स्याह पहलू भी है। यदि एआई पर ही पूरी तरह से निर्भर हो गए तो मनुष्य अपनी खुद की प्रतिभा को कुंद कर सकता है।

मंगलवार को राजभवन में एआई और रोबोटिक्स पर आयोजित कार्यशाला में यह राय उभरकर आई। विशेषज्ञों ने इजराइल पर हमास के हालिया हमले का उदाहरण भी रखा। कहा कि इन हमलों में इजराइल की तकनीकि दक्षता भी धोखा खा गई।

यूपीईएस के प्रो.संजीव ने अपने प्रेजेंटेशन के जरिए राज्य के परिप्रेक्ष्य में एआई के महत्व पर विस्तार से रोशनी डाली। कहा कि कई क्षेत्रों में एआई काफी उपयोगी साबित हो सकती है। खासकर शिक्षा के क्षेत्र में इसके प्रभावी नतीजे मिल सकते हैं। आज चेट जीपीटी, ब्रॉड जैसे टूल काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं। लेकिन इसके साथ साथ यह भी ध्यान रखना होगा कि एआई पर ही निर्भर नहीं रहना है। अपनी प्रतिभा का भी उपयोग करना है। एआई के साथ-साथ काउंटर एआई इसलिए भी जरूरी है कि कहीं एआई हावी न हो जाए। एआई से मिलने वाले नतीजों को परखने के लिए काउंटर सिस्टम भी बेहद जरूरी है।

प्रो. प्रिय रंजन ने कहा कि कई सेक्टर ऐसे हैं जहां मनुष्य का कौशल उपयोगी नहीं होता। वहां रोबोट बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। कई खतरनाक क्षेत्रों में रोबोट बेतर काम कर सकते हैं तो मेधा से जुड़े क्षेत्रों में मनुष्य ज्यादा प्रभावी हो सकते हैं। प्रो. रंजन ने रोबोटिक्स और संचार सिस्टम को महत्वपूर्ण बताया। प्रो. मुत्तुकुमार, प्रो. आरएस अय्यर, और डॉ. पद्मा ने एआई के विकास और प्रशासन में इसकी उपयोगिता बताई। कार्यक्रम में सचिव-राज्यपाल रविनाथ रामन, डीजीपी अशोक कुमार, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, सचिव सिंचाई हरिचंद सेमवाल, भाषा सचिव विनोद प्रसाद रतूड़ी, एडीजी अंशुमान सिंह, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, अपर सचिव सविन बंसल सहित विभिन्न विवि के कुलपति आदि मौजूद रहे।

देहरादून राजभवन में मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शिरकत की। • हिन्दुस्तान

## राज्यपाल ने इंवेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया

देहरादून। मंगलवार को राज्यपाल ने राजभवन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया। इसमें देहरादून और नैनीताल के राजभवन की सभी वस्तुओं के लिए क्यूआर कोड तैयार किया गया है। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर उस सामान या इन्वेंट्री की पूरी जानकारी आ जाएगी। यूटीयू के कुलपति ओंकार सिंह ने इन्वेन्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। इस दौरान राज्यपाल ने एक राजभवन हेतु एआई आधारित स्मार्ट ऑटोमेशन सिस्टम का भी शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत पहले चरण में ऑनलाइन गेट पास सिस्टम, ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट तथा ई-इन्विटेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

## वर्तमान समय में तकनीक अपनाना जरूरी

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीक को अपनाना बेहद जरूरी है। तकनीक को न अपनाये जाने से विकास के दौड़ में पीछे रह सकते हैं। एआई के माध्यम से देश और दुनिया में गति, शक्ति और प्रगति देखने को मिल रही है। यह एक ऐसा शक्तिशाली तंत्र है जिसने जीवन के हर पहलू को छुआ है। इससे कई क्षेत्रों में क्रांति ला दी है।